जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 | वर्षः 17 | संख्याः 338 | प्रभात | चूरू, मंगलवार 7 अप्रैल, 2026 | पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

पायलट्स का "रैस्क्यु ऑपरेशन" अमेरिकी सेना की सबसे बड़ी और एकमात्र उपलब्धि है युद्ध में

इस ऑपरेशन की सफलता केवल शौर्य व साहस की वीर गाथा नहीं, बल्कि मैचिंग टैक्नॉलजी, अति कठिन व सख्त प्रशिक्षण का नतीजा है और ट्रेनिंग निरन्तर बेहतर से बेहतर और उन्नत की जाती है

- इस रैस्क्यु ऑपरेशन का मूल सिद्धांत है, अगर आप अमेरिकी सेना के किसी मिशन पर हैं, तो अमेरिकी सेना आपको भूलेगी नहीं, अकेला छोड़कर नहीं आएगी, बल्कि अपनी पूरी ताकत झोंक देगी, आपका रैस्क्यु करके, वापस लाने में।
- वर्तमान मिशन में अमेरिकी पायलट्स को एक सिग्नल भेजने का उपकरण दिया हुआ था, जो लगातार उनके लोकेशन की सूचना अमेरिका की सेना को भेजता रहा।
- सिग्नल प्राप्त होते ही, "रैस्क्यु टीम" रवाना हुई, इन लोकेशन पहुँचने के लिए।
- पायलट तो आसानी से सुरक्षित निकाल लिया गया, पर, दूसरा अफसर जो अमेरिका की सेना में कर्नल था, सिग्नलिंग विशेषज्ञ था, 7000 फीट ऊंची पहाड़ी पर चढ़ गया तथा अड़तालीस घंटे इस पहाड़ी पर घने पेड़ों के बीच में छुपता-छुपाता रहा। उसके पास केवल एक पिस्तौल थी तथा ट्रैकिंग उपकरण थे उसकी लोकेशन की स्थिति क्षण प्रति क्षण अमेरिकी सेना को भेजने के लिए।
- मिशन के अंतर्गत ईरान के फील्ड पर दो हैलिकॉप्टर व कुछ हवाई जहाज तैनात थे, दोनों वायु सेना के अफसरों को तुरंत ईरान से बाहर ले जाने के लिए ।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अप्रैल। वर्तमान ईरान युद्ध में अमेरिका अगर किसी एकमात्र जीत का दावा कर गर्व कर सकता है, तो एफ 15 ई विमान, जिसे ईरान ने गिराया था, के दो पायलटों को ईरान क्षेत्र से बचाना।

यह कहानी है साहस की, सुनियोजित बचाव एवं प्रशिक्षण मिशन, और वास्तविक समय की जमीनी ऑपरेशन में तकनीक के सटीक मेल की। अमेरिका ने इस बचाव मिशन में लगभग 200 सैनिकों और उन्नत विमान और हेलीकॉप्टरों के बेड़े को तैनात किया था। अमेरिकी सेना ने अपने सभी बचाव कर्मियों और उपकरणों को उस प्रयास में लगा दिया, ताकि अपने दो सदस्यों को सुरक्षित वापस लाया जा सके।

ये परिणाम केवल साहसी जमीनी ऑपरेशन या भाग्य से नहीं मिले हैं, बल्कि ये वर्षों के कठिन और सघन प्रशिक्षण का परिणाम हैं। पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि भारतीय बलों के पास भी समान बचाव मिशन और प्रशिक्षण उपलब्ध है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रक्षा निर्यात 38 हज़ार करोड़ रूपए के पार पहुँचा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अप्रैल। रक्षा मंत्रालय के आंकड़े दिखाते हैं कि भारत के रक्षा निर्यात 2025-26 में 38,424 करोड़ तक पहुँच गए, जो अब तक का सबसे उच्च स्तर है।

यह 2016-17 के 1,522 करोड़ से लगभग 25 गुना वृद्धि है, जो पिछले दशक में रक्षा निर्यात में तेज विस्तार को दर्शाता है।

- यह अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है, भारतीय हथियारों का सबसे बड़ा खरीददार म्यांमार है।

निर्यात की प्रवृत्ति में मामूली उतार-चढ़ाव के बावजूद लगातार वृद्धि देखी गई है। रक्षा निर्यात 2018-19 में पहली बार 10,000 करोड़ के पार गया। महामारी के वर्षों में थोड़ी गिरावट आई, और 2021-22 से निर्यात तेजी से बढ़ने लगा। केवल 2023-24 से 2025-26 के बीच निर्यात 21,083 करोड़ से बढ़कर 38,424 करोड़ हो गया, जो भारतीय निर्मित रक्षा उपकरणों और प्रणालियों की बढ़ती मांग को दर्शाता है।

2016-2025 के बीच भारत के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'क्या चुनाव से पहले एक और पहलगाम ब्लूप्रिंट तैयार है भाजपा के पास'

प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ के कोलकाता पर हमले के बयान और उस पर भाजपा की चुप्पी को लेकर सवाल उठाया

- मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक सभा में कहा कि पाक रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ कोलकाता पर हमला करने की धमकी देते हैं और कूच बिहार में रैली कर रहे मोदी क्यों इस पर कुछ नहीं बोले, क्या चुनाव से पहले एक और पहलगाम की तैयारी है।
- बनर्जी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, अगर कोई कोलकाता को निशाना बनाने की बात करेगा तो हम भारतीय चुप नहीं बैठेंगे, आप चुप बैठिए।
- ममता बनर्जी के इस चौंकाने वाले आरोप भाजपा प्रवक्ता ने पलटवार किया और कहा कि अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए ममता बनर्जी पहलगाम नरसंहार को स्क्रिप्ट कह रहीं हैं जिसमें पाक आतंकियों ने हिंदुओं की हत्या की थी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अप्रैल। चुनावों से पहले एक चौंकाने वाले राजनीतिक हमले में, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने सवाल उठाया कि क्या भाजपा के पास चुनाव से पहले "एक और पहलगाम हमले" का कोई "ब्लूप्रिंट तैयार" है। भाजपा ने कहा कि तृणमूल प्रमुख की टिप्पणी अल्पसंख्यक वोट बैंक के तुष्टिकरण के लिए थी। भाजपा ने बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी को "हिंदू-विरोधी" बताया।

एक जनसभा को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की कोलकाता पर हमला करने की धमकी का उल्लेख किया और सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जिन्होंने कल उत्तर बंगाल के कूचबिहार में रैली को संबोधित किया, ने इस धमकी पर प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी।

उन्होंने कहा, "पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कहा था कि वे कोलकाता को निशाना बनाएंगे। नरेन्द्र मोदी ने क्यों नहीं कहा कि हम कड़ा कदम उठाएंगे? इसका कारण क्या है? क्या ब्लूप्रिंट तैयार है? चुनाव से पहले एक और पहलगाम?"

बनर्जी ने यह भी चेतावनी दी कि अगर दिल्ली बंगाल के लोगों को निशाना बनाती है, तो बंगाल जवाब देगा। उन्होंने प्रधानमंत्री को सम्बोधित करते हुये कहा, "अगर कोई कोलकाता को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राहुल गांधी के कहने पर खेड़ा ने फ़र्ज़ी पासपोर्ट पेश किया है'

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने पवन खेड़ा को इस दुस्साहस पर जेल भेजने की धमकी दी

- असम का चुनाव प्रचार कटुता के निम्नतम स्तर पर पहुँच गया है।
- हिमंता ने गौरव गोगोई की पत्नी की पाकिस्तान लिंक की बात दोहराई, पर, अपनी पत्नी रिंकी भूईयां के पास तीन पासपोर्ट होने के आरोप पर जोरदार बचाव किया।
- इधर कांग्रेस लगातार आरोप लगा रही है कि हिमंता और उनकी पत्नी के विदेशों में व्यवसायिक हित हैं। कांग्रेस ने चेतावनी दी, अगर ऐसा नहीं है तो हिमंता जाँच का सामना करने से क्यों डरते हैं?

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अप्रैल। असम में मतदान से कुछ दिन पहले, चुनावी मुकाबला दिन-ब-दिन व्यक्तिगत होता जा रहा है, जिसके केन्द्र में असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा हैं। वर्तमान मुख्यमंत्री ने इन आरोपों का खण्डन किया है कि उनकी पत्नी रिंकी भुइयाँ के पास तीन पासपोर्ट (यूएई, मिस्र और एंटिगुआ-बारबडोस), दुबई में दो संपत्तियां और अमेरिका में शेल कंपनियां हैं।

जहाँ तक सरमा का प्रश्न है, उन्होंने कांग्रेस के दोनों नेताओं, पवन खेड़ा और गौरव गोगोई, पर हमला किया, जिन्होंने रविवार को यह आरोप लगाया था कि गोगोई के पास लंदन में एक संपत्ति है। इससे पहले, उन्होंने गोगोई की पत्नी एलिज़ाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तानी आईएसआई के साथ कथित संबंधों को निशाना बनाया था। खेड़ा के बारे में, असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी ने खेड़ा को उनकी पत्नी (रिंकी भुइयाँ) से संबंधित नकली पासपोर्ट दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए तैनात किया है। सरमा ने कहा, "इसके लिए वे (खेड़ा) जेल जाएंगे।"

सोमवार को विवाद और बढ़ गया, जब गोगोई ने रिंकी भुइयाँ के खिलाफ "भगवद् गीता की शपथ" के तहत आरोप दोहराए और सरमा को भी ऐसा करने (गीता की शपथ लेने) की चुनौती दी। राहा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गोगोई ने मुख्यमंत्री से पूछाः "क्या आपकी पत्नी के पास दुबई के लिए गोल्डन वीज़ा है? क्या आप या आपके परिवार के सदस्य वहां संपत्ति के मालिक हैं? क्या आपके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पुडुचेरी का पूर्ण राज्य बनाएंगे'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अप्रैल। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वादा किया।

लॉस्पेट में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने राज्य का दर्जा देने का वादा किया था, लेकिन उसने इसे पूरा नहीं किया।

- राहुल गांधी ने पुडुचेरी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा ने वादा नहीं निभाया, पर हम निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य को रिमोट कंट्रोल से चलाती है और राज्यपाल केवल लोगों की इच्छा को दरकिनार करने का माध्यम है। क्षेत्रीय नेताओं को किनारे किया गया है और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नए वोटर्स के लिए पार्टी निष्ठा से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं वादे और नतीजे

पहली बार वोट डाल रहे युवा मतदाताओं से की गई बातचीत में शिक्षा व रोजगार के प्रति युवा वर्ग की चिंता उभरकर सामने आई

- राज्य के प्रतिष्ठित कॉटन कॉलेज के द्वितीय वर्ष के छात्र मयूर प्रतिम बर्मन ने कहा कई छात्र खेलों व टैक्नॉलजी में अच्छा काम करते हैं पर उन्हें पर्याप्त अवसर नहीं मिलते हैं।
- शिक्षा विभाग अनुष्मिता चक्रवर्ती ने कहा, हालांकि वे आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन जो विद्यार्थी शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करते है उन्हें बेहतर अवसर मिलने चाहिए।
- पहली बार वोट डाल रहे हाजी ज़मान ने कहा, जो भी जीते उसे शिक्षा व विकास के लिए काम करना चाहिए। पूर्व सरकारों ने जो गलतियां कीं वे दोहराई नहीं जानी चाहिए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अप्रैल। असम 9 अप्रैल को होने वाले उच्च दाँव वाले चुनाव की ओर बढ़ रहा है। युवा और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं के लिए यह चुनाव केवल पार्टी निष्ठा का मामला नहीं, बल्कि परिणाम और युवाओं से जुड़े वादों को पूरा करने का विषय है।

प्रतिष्ठित कॉटन यूनिवर्सिटी में, जिसने अकादमिक, उद्यमिता और राजनीति के क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण व्यक्तित्व दिए हैं, छात्रों ने रोज़मर्रा की उन समस्याओं के बारे में बताया, जो उनके भविष्य को आकार देती हैं।

दूसरे वर्ष के राजनीति विज्ञान के छात्र मयूर प्रतिम बर्मन के लिए समस्या घर से शुरू होती है। उन्होंने सभी कैम्पसों की चिंता को साझा करते हुए कहा, "कॉटन कॉलेज विश्वविद्यालय बन गया, लेकिन बुनियादी ढांचे में अभी सुधार की जरूरत है। शिक्षा का विकास होना चाहिए। सीमित अवसरों के कारण छात्र पिछड़ जाते हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "खेल और तकनीकी जैसे क्षेत्रों में कई छात्र उत्कृष्ट हैं, लेकिन उचित अवसरों की कमी के कारण वे पीछे रह जाते हैं। जो भी सरकार सत्ता में आये, हम उससे यह समस्या हल करने के लिए कहेंगे, ताकि ये छात्र अपनी प्रतिभा वाले क्षेत्र में बढ़ सकें और सफल हो सकें।"

शिक्षा विभाग की अनुष्मिता चक्रवर्ती ने कहा कि सामान्य वर्ग की छात्रा होने के कारण, उन्हें प्रवेश प्रक्रिया में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

हालांकि वे आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उनका मानना है कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अच्छे प्रदर्शन वाले छात्रों को भी "निष्पक्ष अवसर" मिले। उन्होंने नीतियों के कार्यान्वयन में संतुलन और न्याय की जरूरत पर जोर दिया।

अन्य छात्रों, जैसे निश्चांत घोष, के लिए चिंताएं व्यापक, लेकिन आपस में जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा, "धर्म यहां कोई मुद्दा नहीं होना चाहिए। हम बेहतर रोजगार चाहते हैं, ताकि युवाओं को राज्य छोड़ना न पड़े। शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। सभी नए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लगातार दूसरे दिन पाकिस्तान सीमा पर सात करोड़ रूपए की हेरोइन मिली

श्रीगंगानगर, 6 अप्रेल (निसं)। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर सोमवार को दूसरे दिन एक बार फिर हेरोइन मिली है। यहां भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से सटे एक खेत में तीन पैकेट हेरोइन मिली, जिसका वजह करीब डेढ़ किलो है।

- सुरक्षा एजेन्सियों ने सीमा पर ड्रोन रोधी सतर्कता बढ़ाई।

हेरोइन की कीमत सात करोड़ रुपये आंकी गई है। बीएसएफ और पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाही शुरू कर दी। पूरे इलाके में सर्च अभियान चलाया गया।

प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि यह खेप भी पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन के जरिए गिराई गई है। इससे पहले रविवार को करणपुर बॉर्डर क्षेत्र में बीएसएफ और पुलिस ने संयुक्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम की राजनीति में सदा से प्रभावशाली, नम्बर दो पोजिशन पर रहे हैं हेमंत बिस्वा सरमा

पर, उनकी हृदय की नम्बर एक बनने की छुपी हुई महत्वाकांक्षा पूरी हुई 2021 में जब भाजपा ने उन्हें मु.मंत्री पद सौंपा तथा भाजपा के पुराने विश्वासी मु.मंत्री सरबानंद सोनोवाल को मु.मंत्री पद से हटने का आदेश दिया गया

- 2021 के बाद मु.मंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने पाँच साल अपने आपको "प्रोजैक्ट" करने में लगाया कि अब वे पार्टी के रणनीतिज्ञ व "बैकरूम" राजनीतिज्ञ ही नहीं, बल्कि मु.मंत्री का चेहरा है तथा प्रशासन की धुरी हैं अतः 2026 का वर्तमान चुनाव उनके लिए अग्नि परीक्षा है।
- अभी तक तो यह ही लग रहा है कि वे अग्नि परीक्षा में पूरी तरफ सफल होकर निकल आएंगे। पर, नॉर्थ-ईस्ट व नेपाल की भांति, युवा पीढ़ी, सबसे अधिक निर्णायक भूमिका निभाएंगी राजनीति की दिशा का चयन करने में और क्या सरमा युवा पीढ़ी की सोच व आकांक्षाओं से भी उतनी अच्छी तरह परिचित हैं जैसा कि पुराने राजनीतिज्ञ और पीढ़ी के व्यक्तित्व से परिचित थे? इस प्रश्न का भी निर्णय हो जाएगा, चुनाव में।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अप्रैल। असम चुनाव 2026 हिमंता बिस्वा सरमा की परीक्षा है। हालांकि वह 1990 के दशक से असम की राजनीति में सक्रिय और बहुत दिखाई देने वाले नेता रहे हैं, यह चुनाव उनके लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इस बार वह सत्ता में हैं और पार्टी का चेहरा भी हैं। भाजपा की पिछली दो जीतों का श्रेय भी बड़ी हद तक उन्हें दिया गया था। लेकिन 2016 में वे भाजपा में नए शामिल हुए थे, जिससे भाजपी की पहली जीत के बाद सर्वानंद सोनोवाल को मुख्यमंत्री बनाया गया था और 2021 में उनकी अगुवाई में पार्टी ने चुनाव लड़ा। उस समय हिमंता ने चुनाव भी नहीं लड़ा था, बल्कि पार्टी की जीत के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद संभाला।

लेकिन इस बार वे मैदान में हैं। पूरे पांच साल के कार्यकाल के बाद, वे भाजपा के लिए हैट्रिक की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उससे भी बढ़कर, वे यह राजनीतिक और व्यक्तिगत संदेश देना चाहते हैं कि वे केवल बैक-रूम नेता नहीं, बल्कि विजेता हैं। वर्ष 2026 में उनके लिए दांव हमेशा से अधिक ऊँचे हैं।

जब पूर्व असम मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हितेश्वर सैकिया 1980 के असम आंदोलन के बाद युवा नेताओं को पार्टी में लाने की कोशिश कर रहे थे, उन्होंने अपना आदमी हिमंता बिस्वा सरमा में पाया। उस समय एक युवा छात्र नेता के रूप में, सरमा ने कैंपस राजनीति में नाम कमा लिया था और वे प्रभावशाली "ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन" से जुड़े थे।

1991 में कांग्रेस में शामिल होने और 2015 में छोड़ने तक, वे सैकिया, और बाद में तरुण गोगोई, दोनों के लिए एक भरोसेमंद, सक्रिय नेता बने रहे। सरमा ने वित्त, स्वास्थ्य, लोक निर्माण जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों के मंत्री रहे और प्रमुख सरकारी योजनाओं को संचालित किया।

लेकिन वे हमेशा नंबर 2 ही रहे। वे एक ऐसे व्यक्ति थे, जिस पर शीर्ष नेताओं का भरोसा था। वे एक ऐसे व्यक्ति थे, जो काम पूरा करता था। भरोसेमंद सहायक, लेकिन जनरल या प्रमुख नहीं। वे उभरे, बढ़े, लेकिन शीर्ष तक नहीं पहुंचे।

जब 2011 विधानसभा चुनावों के बाद तरुण गोगोई का स्वास्थ्य बिगड़ने लगा, तो सरमा ने स्पष्ट रूप से मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा जताई। जब उन्हें यह स्पष्ट हुआ कि गोगोई अपने बेटे को प्राथमिकता देंगे, न कि उन्हें, तो उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में तेज बारिश, आंधी व ओलावृष्टि की चेतावनी

जयपुर, 06 अप्रैल। प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में बदलाव दर्ज किया गया है। सोमवार को चूरू और श्रीगंगानगर सहित, कुछ शहरों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि अधिकांश क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहने से तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि

- किसानों को फसल व अनाज सुरक्षा स्थल पर या ढककर रखने की सलाह।

जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर संभाग तथा शेखावाटी क्षेत्र में नया मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। इसके प्रभाव से मंगलवार को इन क्षेत्रों के साथ, भरतपुर, कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन, 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)